



# INDIAN INDUSTRIES ASSOCIATION

AN APEX BODY OF MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

( IN THE SERVICE OF MSME SINCE 1985 )

## Agitation for Electricity Tariff Hike now extended to Full day on 22nd Nov. 2012

**COME AND JOIN THIS CAUSE IN YOUR OWN BENEFIT  
THIS LITTLE SACRIFICE JOINTLY MAY FORCE THE GOVT. TO  
CONSIDER OUR DEMANDS**

Dear CEC Members / IIA Members,

IIA had given a call for token strike of closure of Industrial Units on 22<sup>nd</sup> November 2012 for 2Hrs against the Electricity Duty & Electricity Tariff Hike announced by Govt of U.P and UPERC. We are **happy to inform you that IIA Kanpur Chapter volunteered to observe "Full Day Bandh" instead of 2 Hrs. Emulating them many more IIA Chapters and Industry Associations have now decided to observe FULL DAY BANDH. IIA Chapters who have so far informed IIA Central Office to observe FULL DAY BANDH are: Kanpur, Lucknow, Saharanpur, Greater Noida, Ghaziabad, Modinagar, Muzzaffarnagar, Azamgarh, Bareilly, Farrukhabad, Allahabad, Kushi Nagar and Deoria. Unnao and Meerut Chapters of IIA are discussing the possibilities and preparations at this moment. Bandh as per IIA call will also be observed in all other 20 Chapters of IIA all over U.P.**

Apart from this almost all other Industry Associations are also in full support of this Full day BANDH including ASOCHAM U.P, Eastern U.P Chamber of Commerce & Industry, Laghu Udyog Bharti, Merchant Chamber of U.P, Indian Ice Cream Manufacturing Association, U.P Chamber of Steel Industries, Western U.P Chamber of Commerce, U.P Hozari Association, U.P Biscuit Manufacturing Association, U.P Cold Storage Association, U.P Bread Manufacturing Association, U.P Floor Mills Association, U.P Rice Millers Association, U.P Plastic Association, U.P Food processing Association, U.P Hotel & Restaurant Association, U.P Soap Manufacturers Association, U.P Leather Association, U.P Drug Manufacturers Association, Association of Steel Rolling Mills & Furnaces, Ghaziabad Industrial Federation Association, Noida Entrepreneurs Association and Ghaziabad Induction Furnace Association etc,. Copy of the press coverage on this issue of yesterday is attached herewith for ready reference.

I appeal to all IIA Chapter Chairmen, IIA Members and Associates of VIDYUT UPBHOKTA SANYUKT SANGHARSH SAMITY to make this agitation a grand success so that Govt. of U.P is forced to listen to the voice of Industries in U.P.

With kind regards,

Manish Goel  
General Secretary



**Indian Industries Association**

IIA Bhawan, Vibhuti Khand Gomti Nagar Lucknow-226010

Ph: +91-522-2720090, +91-522-3248178 Fax: +91-522-2720097

Website : [www.iaonline.in](http://www.iaonline.in)

**Note:** Use E-mails - Save Paper - Protect Trees & Go Greener

# एक दिन की बंदी से 315 करोड़ की चपत

- जागरण के संवाद में दिखी उद्यमियों-व्यापारियों की नाराजगी
- सरकार को होगा सिर्फ पांच करोड़ प्रतिमाह का फायदा
- कल की बंदी से सरकार न मानी और तीखा आंदोलन



कानपुर में दैनिक जागरण संवाद में उपस्थित उद्यमी व व्यापारी। साथ में दैनिक जागरण के कार्यकारी संपादक संदीप गुप्त व समाचार संपादक रायचंद्र चट्टा

जागरण संवाददाता, कानपुर : विद्युत दरों में वृद्धि के मुद्दे पर सरकार उस साख को ही काटने में लगी है जिससे उसे आधार मिलता है। सरकार अगर मूर्खी (उद्योगों) पर ही छुट्टा चला देगी तो सोने का अंडा (राजस्व) कहाँ से मिलेगा। 20 करोड़ रुपये महीना कमाने के चक्कर में सरकार 65 करोड़ रुपये रोज का नुकसान करना चाहती है। इससे तो सबकुछ खत्म हो जाएगा। उद्योग धंधे बंद होने से पूरी सामाजिक व्यवस्था चरमर जाएगी। बेरोजगारी बढ़ेगी और अपराध बेलगाम हो जाएगा। इसलिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर सरकार को अपने फैसले पर दोबारा विचार करना होगा, वरना औद्योगिक अशांति की स्थिति को पैदा होने से कोई नहीं रोक सकता।

यह विचार शहर के उन नामचीन उद्यमियों और व्यापारियों के हैं। जिन्होंने प्रदेश की औद्योगिक राजधानी की साख को बनाए रख अपने प्रबंध कौशल का लोहा मनवाया है लेकिन विद्युत दरों में वृद्धि के दूरगामी परिणामों ने उन्हें विचलित कर दिया है। सरकारी के इस फैसला से न सिर्फ उद्योग चौपट

होगे बल्कि लाखों परिवार के सामने बेरोजगारी का संकट खड़ा हो जाएगा। सरकार को फैसला वापस लेने के लिए ही उद्यमियों ने 22 नवंबर को एक दिन की बंदी का फैसला लिया है। इससे निपटने के लिए मंगलवार को दैनिक जागरण ने उद्यमियों-व्यापारियों के साथ संवाद किया। इसमें यह बात उभरी कि अब सूक्ष्म, लघु व मध्यम को मिलाकर 6500 उद्योग इस औद्योगिक नगरी की साख बचाए हैं। केस्को को उद्योगों से प्रतिमाह 30 करोड़ रुपया मिलता है। नई दरों से यह राजस्व 50 करोड़ हो जाएगा। अब वैट, एक्साइज और निर्यात को जोड़कर देखें तो सरकार को 65 करोड़ रुपये रोज का राजस्व मिलता है। उद्यमियों ने कहा कि सरकार 20 करोड़ रुपये रोज कमाने के चक्कर में 65 करोड़ रुपये रोज का नुकसान करना चाहती है। उद्यमियों ने बताया

कि 22 नवंबर की एक दिन की बंदी से अकेले कानपुर में 315 करोड़ की चपत लगेगी। इसमें 65 करोड़ रुपया सरकार को मिलने वाले राजस्व का भी होगा। इस मुद्दे पर प्रदेश में बंदी हो रही है। ऐसे में सरकार को राजस्व की क्षति का अंदाजा सहज ही लगा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी सरकार नहीं मानी तो आंदोलन और तेज हो सकता है। उद्यमियों के आक्रोश को देखकर लग रहा है कि आंदोलन काफी तीखा रुख लेने वाला है। 'संवाद' के विषय प्रवर्तन में दैनिक जागरण के कार्यकारी संपादक संदीप गुप्ता ने उम्मीद जताई कि जब उद्यमियों की बात लखनऊ तक जाएगी तो सरकार कोई न कोई रास्ता जरूर निकालेगी। खरिफ्त समाचार संपादक रायचंद्र चट्टा ने कहा कि औद्योगिक विजली की बढ़ी कीमतें हर तरह के उत्पादों को

प्रभावित करेंगी इसलिए इसे वापस करना ही होगा। 'संवाद' में प्रमुख उद्योगपति पद्मश्री इरशाद मिर्जा, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तरुण खेरपाल, प्राविशियल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बंका, कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट से अरुण जैन, मर्वेंट्स चेंबर आफ उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष इंद्र मोहन रोहतगी, लघु उद्योग भारती से लाडली प्रसाद, कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के संरक्षक श्याम बिहारी मिश्र आदि थे।

### समस्याएं

- ▶ दूसरे राज्यों में सस्ती बिजली, सस्ता कच्चा माल, ऐसे में यूपी के उद्योगों के उत्पाद कैसे मुकाबला कर पाएंगे।
- ▶ उद्योगों को 8.50 रुपए प्रति यूनिट जबकि गांवों में 150 रुपए में बिना मीटर के 52.87 लाख लोगों को बिजली।
- ▶ फिक्स और मिनिमम चार्ज बढ़ाने के बाद भी अभाव बिजली आपूर्ति की व्यवस्था नहीं।
- ▶ बिजली की सबसे ज्यादा दर चुकाने के बाद भी शक की निगाह से देखे जाते हैं फेक्ट्री मालिक।
- ▶ ग्रामीण अंचलों व विद्युत कमियों को न्यूनतम भुगतान पर असीमित बिजली देने का भार उद्यमियों पर ही।

### सुझाव

- ▶ बकाया बिजली बिलों की वसूली कर संसाधन बेहतर बनाएं।

### यूपी पड़ेगा प्रभाव

प्रभावित होंगे उद्योग-65 सौ। कुल उत्पादन प्रभावित होगा-250 करोड़। वैट-एक्साइज व अन्य कटों का नुकसान-50 करोड़। निर्यात बर्धित होगा-15 करोड़। प्रभावित मजदूर- 3 लाख।

### प्रदेश की महंगी बिजली

- ▶ आंध्र प्रदेश के मुकाबले 61.70 फीसद महंगी।
- ▶ उत्तराखंड के मुकाबले 40.30 फीसद महंगी।
- ▶ गुजरात के मुकाबले 35.70 फीसद महंगी।
- ▶ हरियाणा के मुकाबले 27.60 फीसद महंगी।
- ▶ छत्तीसगढ़ के मुकाबले 21.80 फीसद।
- ▶ पंजाब के मुकाबले 19.80 फीसद महंगी।
- ▶ दिल्ली के मुकाबले 15.40 फीसद महंगी।

- ▶ वैकल्पिक ऊर्जास्रोतों को बढ़ाकर गांवों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की जाए।
- ▶ बिना मीटर के किसी को भी बिजली आपूर्ति नहीं की जाए।
- ▶ सस्ती बिजली के लिए पावर कारपोरेशन पर बोझ खटाने के बजाय सरकार उसे अनुदान दे, बजट में प्रावधान करे।
- ▶ औद्योगिक नीति बनाने के साथ उद्योगों को सुविधाएं दें ताकि नए उद्योग यहां आए।